न्यूज लेटर

मासिक अंक - मार्च 2025

स्वच्छ नगर समाचार

(स्वच्छता की ओर बढ़ते कदम)

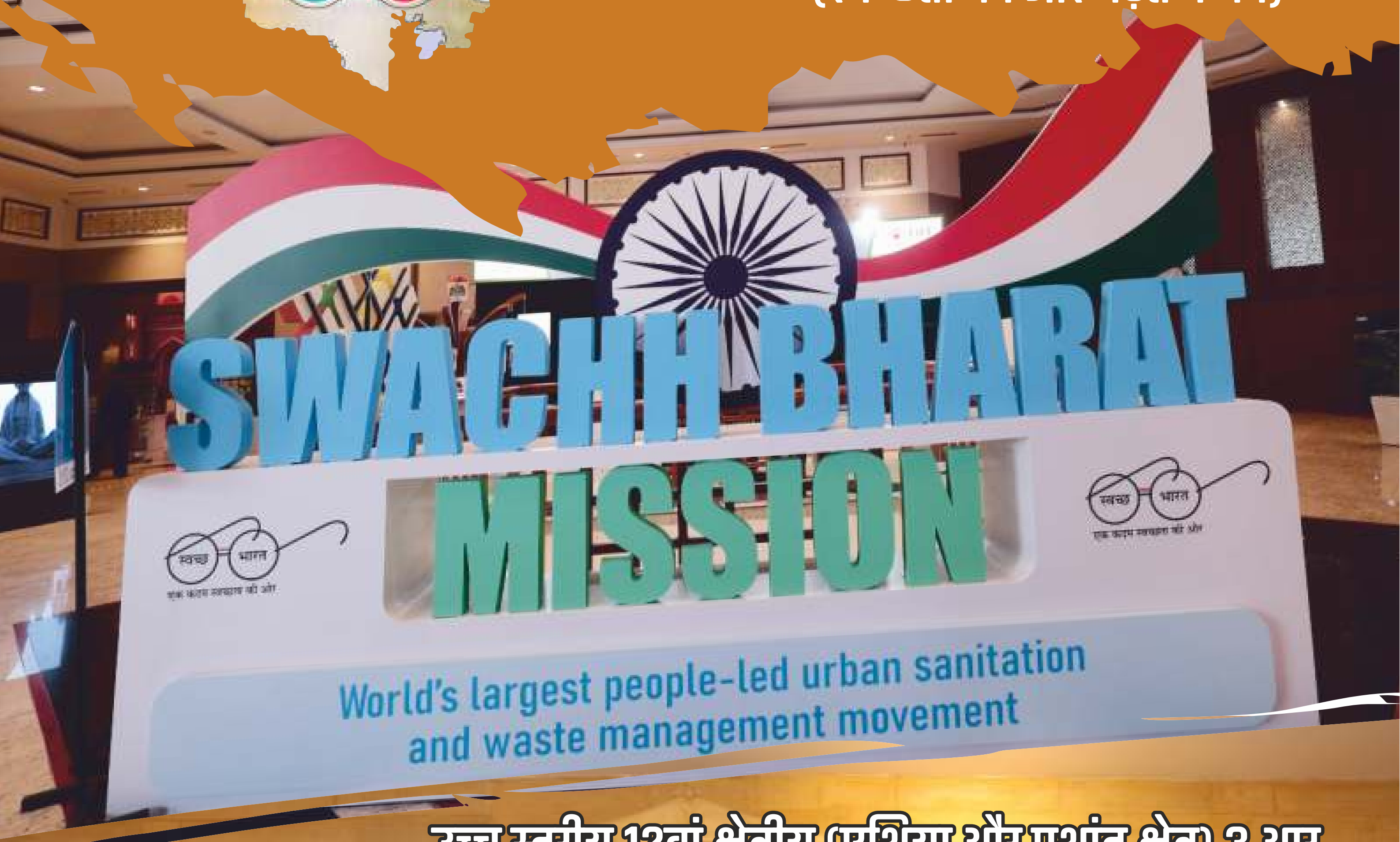

उच्च स्तरीय 12वां क्षेत्रीय (एशिया और प्रशांत क्षेत्र) 3 आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम समारोह पर विशेष संस्करण

स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान सरकार

संदेश

श्री भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री राजस्थान

वर्तमान समय में हमारी पृथ्वी के सामने सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और संसाधनों की कमी है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारत सरकार द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता अभियान स्वच्छ भारत मिशन चलाया गया है। राज्य में वेस्ट टू एनर्जी, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, RDF, लेगेसी वेस्ट उपचार आदि कार्य वैज्ञानिक पद्वति से किये जा रहे हैं। 'स्वच्छमेव जयते' के मंत्र को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता के महान कार्य में जन सहभागिता को बढ़ाने के क्रम में आमजन को विभिन्न IEC गतिविधियों के माध्यम से जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छ नगर समाचार न्यूज़ लैटर राज्य एवं नगरीय निकायों में स्वच्छता एवं पर्यावरण हेतु अविरत किये जा रहे नवाचारों व प्रयासों को शब्दों में संकलित कर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगा।

शुभकामनाएं।

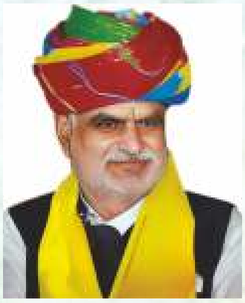

श्री झाबर सिंह खर्रा
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
स्वायत्त शासन,
नगरीय विकास एवं आवासन

स्वच्छ भारत मिशन, वेस्ट टू वेल्थ और लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट जैसी पहलों द्वारा राजस्थान सतत विकास के मार्ग पर निरंतर प्रगतिरत है। राज्य सरकार एवं नगरीय निकाय अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरण अनुकूल शहरी विकास तथा स्वच्छता हेतु प्रतिबद्ध तथा निरंतर प्रयासरत हैं। स्वच्छ नगर समाचार न्यूज़ लैटर उक्त प्रयासों एवं नवाचारों को नगरीय निकायों एवं आमजन से साझा करने हेतु स्वायत्त शासन विभाग की अनुकरणीय पहल है।

शुभकामनाएं।

श्री राजेश यादव
प्रमुख शासन सचिव,
स्वायत्त शासन विभाग

स्वच्छ नगर समाचार न्यूज़ लैटर स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन तथा वेस्ट टू वेल्थ व सर्कुलर अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण के अंतर्गत राज्य सरकार व नगरीय निकायों द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं नवाचारों को प्रकाशित करने का प्रयास है। यह न्यूज़ लैटर नगरीय निकायों को एक दूसरे से सीखने एवं बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित करेगा।

शुभकामनाएं।

उच्च स्तरीय 12वां क्षेत्रीय (एशिया और प्रशांत क्षेत्र) 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम समारोह पर विशेष कवरेज

जयपुर राजस्थान दिनांक 3 से 5 मार्च, 2025

फोरम का आयोजन आवसन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार,पर्यावरण मंत्रालय, जापान, United Nations Economics And Social Commission for Asia and the Pacific (UNESCAP), United Nations Centre for Regional Development of the Division for the Sustainable Development Goals, एवं United Nations Department of Economic and Social Affaires (UNDESA) द्वारा किया गया। उक्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में एशिया प्रशांत क्षेत्र के 38 सदस्य देशों एवं अन्य देशों के लगभग 200 प्रतिनिधियों के द्वारा भाग लिया गया। इस कार्यक्रम में भारत से 33 राज्यों एवं केंद्रीय शासित प्रदेशों, 15 मंत्रालयों, निजी क्षेत्र और तकनीकी संस्थाओं के 800 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उक्त आयोजन में 40 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योगों और स्टार्टअप्स द्वारा इंडियन पवेलियन प्रदर्शनी में भाग लिया गया। देश के विभिन्न राज्यों की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा भी स्टॉल लगाई गई।

सिटीज 2.0 कार्यक्रम के लिए देश भर के चुनिंदा शहरों में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जयपुर और उदयपुर का हुआ चयन

प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए श्री मनोहर लाल, मंत्री, आवासन एवं शहरी, कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सिटीज कोएलिशन फोर सर्कुलरिटी (C-3) (Cities Coalition for Circularity) की घोषणा की गई। आयोजन के दौरान CITIIS 2.0 (City Investments to Innovate, Integrate and Sustain 2.0) योजना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना के तहत 1800 करोड़ रुपये की लागत से देश के 18 शहरों को "सुपर क्लीन" शहर बनाया जाएगा। उक्त 18 शहरों में राजस्थान से जयपुर एवं उदयपुर को भी चयनित किया गया है।

जयपुर डिक्लेरेशनः सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने की योजना

12वें रीजनल 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम इन एशिया एंड द पैसिफिक के समापन सत्र में जयपुर डिक्लेरेशन जारी किया गया। फोरम के सदस्य देशों द्वारा जयपुर डिक्लेरेशन को सर्वसम्मति से अपनाया गया इसमें सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूत करने और अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए आगामी 10 वर्षों हेतु रणनीति तय की गई है।

डिक्लेरेशन के प्रमुख बिंदुः C-3 (Cities Coalition for Circularity): सर्कुलर इकोनॉमी को लेकर शहरों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए नया वैश्विक गठबंधन।

कचरा प्रबंधन और रिसाइकलिंगः अलग-अलग तरह के वेस्ट मैनेजमेंट के लिए सर्कुलर इकोनॉमी के लक्ष्य तय किए गए।

ग्रीन टेक्नोलॉजी और संसाधन दक्षताः सस्टेनेबल मटेरियल्स और ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल पर जोर।

सस्टेनेबल फाइनेंसिंग योजनाओं के लिए फंडिंग और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर सहमति।

समावेशिताः अनौपचारिक क्षेत्र, लैंगिक समानता और श्रम अधिकारों को भी ध्यान में रखा गया।

3आर सर्कुलर इकोनॉमी फोरम समारोह की झलकियां

3आर सर्कुलर इकोनॉमी फोरम समारोह की झलकियां

मिशन की प्रगति में नया आयाम

जयपुर में वेस्ट टू एनर्जी (डब्ल्यूटीई) परियोजना का प्रबंधन जिंदल अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट (जयपुर) लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। परियोजना की कुल लागत 182.17 करोड़ है। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित है। शुरू में 600 टीपीडी (टन प्रति दिन) कचरे को संसाधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया, अनुबंध को हेरिटेज और ग्रेटर जयपुर दोनों से कचरे को शामिल करते हुए 1000 टीपीडी को संभालने के लिए संशोधित किया गया है। संयंत्र की बिजली उत्पादन क्षमता 12 मेगावाट है। यह सुविधा 20 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है, जिसे डब्ल्यूटीई संचालन और सैनिटरी लैंडफिल (एसएलएफ) दोनों के लिए नामित किया गया है। मेसर्स जेआईटीएफ और जेवीवीएनएल के बीच एक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) निष्पादित किया गया है, जिसमें टैरिफ 7.32 प्रति यूनिट तय किया गया है। जयपुर नगर निगम को प्रति मीट्रिक टन कचरे पर ₹66 की रॉयल्टी मिलेगी, जिससे सालाना लगभग ₹2.4 करोड़ की आमदनी होगी।

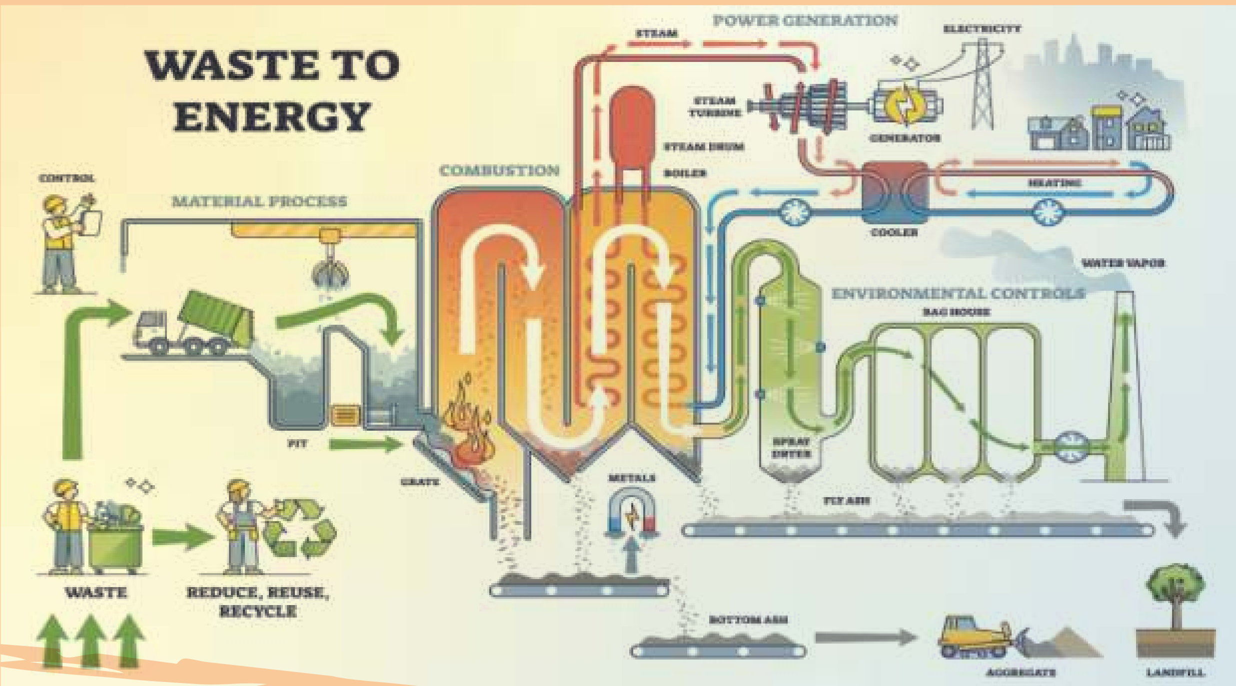

राजस्थान स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान परियोजनाओं हेतु एनएआरसी के अनुमोदन से मिलेगा प्रोत्साहन

राष्ट्रीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति (एनएआरसी), आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने 708.07 करोड़ रुपये की लागत वाली ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं की कार्य योजना को मंजूरी दी स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के लिए राष्ट्रीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की 14वीं बैठक 28 मार्च 2025 को सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें 13 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त एसबीएम (शहरी) के विभिन्न घटकों की कार्ययोजना को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया। बैठक में 258.86 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता के साथ एसडब्लूएम घटक के तहत 708.07 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए राजस्थान राज्य की नई कार्ययोजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसमें जयपुर में 1407 टीपीडी क्षमता के 31 कम्पोस्ट प्लांट, 500 टीपीडी क्षमता का एक बायो-मीथेनेशन प्लांट, 554 टीपीडी क्षमता के 29 एमआरएफ प्लांट, जयपुर में 224 टीपीडी क्षमता का एक आरडीएफ आधारित अपशिष्ट से ऊर्जा प्लांट, 32 स्थानीय निकायों (937.42 टीपीडी) के निष्क्रिय कचरे के निपटान के लिए सैनिटरी लैंडफिल का विकास और 214 यूएलबी के 55.98 लाख टन पुराने कचरे का उपचार शामिल हैं। इसके अलावा, स्वच्छता घटक और यूडब्ल्यूएम घटक की पहले से स्वीकृत कार्य योजना में संशोधन को भी मंजूरी दी गई। कुल मिलाकर, 1765.80 करोड़ रुपये के केंद्रीय आवंटन के मुकाबले 1874.43 करोड़ रुपये के केंद्रीय हिस्से के साथ 3799.20 करोड़ रुपये की राशि की परियोजनाओं की कार्य योजना को मंजूरी दी गई है। स्थानीय स्वायत्त शासन विभाग ने पहले ही अनुमोदित कार्य योजना के खिलाफ निविदाएं आमंत्रित की हैं। आरडीएफ + कम्पोस्ट संयंत्रों का निर्माण एवं स्थापना तथा पुराने कचरे के उपचार का कार्य प्रगति पर है।

स्वायत्त शासन विभाग बना प्रदेश का पहला जीरो वेस्ट कार्यालय

स्वायत्त शासन विभाग के परिसर में कार्यालय से निकलने वाले वेस्ट का निष्पादन परिसर में स्थित जीरो वेस्ट प्लांट पर ही किया जा रहा है। जीरो वेस्ट प्लांट का नवाचार श्री दीपक सिंघल, अधिशाषी अभियंता के द्वारा किया गया है। जीरो वेस्ट मॉडल को 3 आर कॉन्क्लेव में सभी अतिथिगणों द्वारा सराहा गया। इस वर्ष मंत्रालय द्वारा मॉडल को बेस्ट इनोवेशन प्रैक्टिस में चुना गया है। विभिन्न राज्यों के अधिकारियों ने इस मॉडल को अपने राज्य में स्थापित करने हेतु उत्सुकता दिखाई।

स्वच्छता का सबसे बड़ा पर्व स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 (सिटीजन फीडबैक)

प्रदेश में नवाचार के तहत 400 से अधिक **सर्वेक्षण बूथ** के द्वारा आम नागरिको से सुलभ सिटीजन फीडबैक करवाया गया। बूथ में निकाय की टीम द्वारा लैपटॉप एवं मोबाइल के माध्यम से सिटीजन फीडबैक लिया गया। इस नवाचार को आमजन द्वारा खूब सराहा गया। उक्त परिणाम स्वरूप विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष सिटीजन फीडबैक में वृद्धि देखी गई है। 15 अप्रैल 2025 तक उक्त सिटीजन फीडबैक सम्पादित करवाया जायेगा। सर्वेक्षण उपरांत सर्वेक्षण बूथ जनता दरबार के रूप में आमजन की शिकायतों के निवारण हेतु उपयोग में लिए जायेंगे।

सर्वेक्षण बूथ चुरू, राजस्थान

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 सिटीजन फीडबैक गतिविधियों की झलकियां

जोधपुर की एक अनूठी पहल

जोधपुर शहर में स्वच्छता संबंधित नवाचार के अन्तर्गत मंदिरों में चढाए गये फूलों से हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है। इस कार्य को स्थानीय NGO की मदद से सम्पादित किया जा रहा है। मंदिरों से एकत्र किए गए फूलों से त्योहारों में उपयोग हेतू हर्बल रंग बनाया जा रहा है। यह नवाचार आमजन को हर्बल एवं पर्यावरण अनुकूल (eco friendly) विकल्पों के ओर भी प्रेरित करेगा।

श्रीमती प्रियंका चौधरी अलबेली संस्था द्वारा वेस्ट टू वेल्थ के कथन को सार्थक कर रही है उनके स्वयं सहायता समूह की 200 से ज्यादा महिलाओं द्वारा कपड़ों की कतरनों से विभिन्न सजावटी सामान, बेडशीट, पिलो कवर, फाइल कवर और अन्य जरूरत के समान बनाये जा रहे है। अलबेली संस्था द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रदर्शिनियों में और मेलों में भाग लिया जाता है। उनके अथक प्रयासों से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) एवं Day NULM (महिला स्वयं सहायता समूहों) कन्वर्जेन्स पहल

इंदरगढ़ बन गई है प्रदेश की पहली नगरीय निकाय, जहां पर महिला स्वयं सहायता समूह को मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र एवं एमआरएफ प्लांट संचालन का कार्य दिया गया है।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सफाई मित्रों का किया गया सम्मान

श्री करनपुर निकाय का प्रयास-
महिला सफाई मित्रों हेतु विश्राम कक्ष का शुभारम्भ

समाचार पत्रों में स्वच्छता समाचार

सर्वेक्षण में शत-प्रतिशत फीडबैक से उत्साह, स्वच्छता में श्रीकरणपुर क्षेत्र बनेगा नंबर वन

सीमा सन्देश न्यूज. श्रीकरणपुर। नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी संदीप बिश्नोई के मार्गदर्शन में स्वच्छता में श्रीकरणपुर के नतीजें अभी तक बेहतर हैं। स्वच्छ भारत अभियान के लिए हो रहे स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जागरूक नागरिकों ने सहयोग किया है। स्वच्छता सर्वेक्षण में 21297 से अधिक नागरिकों ने फीडबैक दिया है। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि

जागरूकता के उच्चतम स्तर के अक्टूबर 2014 से स्वच्छ भारत चल रहा है, तब से आज तक श्रीकरणपुर के नाम आज दर्ज अधिकारी संदीप बिश्नोई ने सभी कर्मचारियों को भी साथ मेहनत से ये मुकाम हासिल हु मीडिया सहित सभी के सहयोग की वह नगरपालिका पूरे भारत बनी है। उन्होंने बताया कि

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए जयपुर को मिलेंगे ₹100 करोड़

आरआरआर में रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल (RRR) और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम में केंद्र और राज्य सरकार के बीच एमओयू

टायर से बनाया एक टन का लॉयन, कीमत 3.5 लाख रुपए

250 करोड़ रुपए की लागत से हरित केंद्र विकसित होंगे

स्वच्छता सर्वेक्षण; शहरवासी ऑनलाइन पोर्टल पर दे सकते हैं फीडबैक, अब तक एक हजार ने दिए

भास्कर खास | 31 मार्च तक जनता दे सकती है फीडबैक, अधिक से अधिक फीडबैक के लिए नगर परिषद चलाएगा अभियान

देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर करणपुर; ईओ बिश्नोई ने गत्ते के डस्टबिन, कपड़े के बैग बनवा बाजार में बांटे, सफाई सेवकों के साथ निरंतर डटे रहे

स्वच्छता की दौड़ में नम्बर वन बनने की होड़... देश के 28 अफसरों का केन्द्रीय प्रशिक्षण के लिए चयन, इसमें संदीप बिश्नोई शामिल

सफाई कर्मचारियों को यूनिफॉर्म दी, गलियों में दुकानदारों को जागरूक किया

कचरे और अनुपयोगी सामान से तैयार कलाकृतियां होंगी प्रदर्शित

नगर निगम में बनेगा जिले का पहला थ्री आर गार्डन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. नगर निगम मुख्य कार्यालय परिसर में जिले का पहला थ्री आर गार्डन बनेगा। इसकी तैयारियां शुरू हो गई है। इस गार्डन में पेड़-पौधे और हरियाली सहित कचरे, कबाड़ और अनुपयोगी सामान से तैयार की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इनको अंतिम रूप दिया जा रहा है। अगले सप्ताह से इस

ये कलाकृतियां होगी प्रदर्शित

नगर निगम के एक पार्क में कचरे, कबाड़ और अनुपयोगी सामान से तैयार टायर की कुर्सी, टायर की बेंच, टायर से बनी टेबल, प्लास्टिक बोतल व पॉलीथीन थैलियों की बोतल, रेहड़ी टायर से बने बना गमला स्टैण्ड, साइकिल रिम से बना झालर, प्लास्टिक ड्रोल से बना कचरा पात्र, टायर से बना झूला,

सिविल वर्क चल रहा है। ... थ्री आर है। थ्री आर अर्थात रिड्यूस,

उपयोग लायक कचरे को रिसाइकिल करना है।

वर्कशॉप का संचालन

कचरे, कबाड़ और अनुपयोगी सामान से उपयोगी और सजावटी कलाकृतियां तैयार करने के लिए निगम में एक वर्कशॉप का संचालन किया जा रहा है।

इस वर्कशॉप में निगम आयुक्त के निर्देश पर कचरे व कबाड़ का उपयोग कर कलाकृतियां तैयार की

कलाकृतियां होगी प्रदर्शित

थ्री आर थीम के तहत कचरे व कबाड़ से कलात्मक कलाकृतियां तैयार की जा रही हैं। इनको थ्री आर गार्डन में प्रदर्शित की जाएगी। निगम में आने वाले प्रत्येक नागरिक को ये कलाकृतियां प्रेरित करेंगी और वे भी कचरे व कबाड़ से उपयोगी कलाकृतियां बनाने के लिए प्रयास करेंगे।

नगर निगम: 2.40 लाख रुपए में खरीदी 60 मशीनें, अब तक 24 सार्वजनिक शौचालयों और 16 सरकारी विद्यालयों में स्थापित

स्कूलों व शौचालयों में लगेगी सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. नगर निगम की ओर से सार्वजनिक शौचालयों और शहर के सरकारी बालिका विद्यालयों में स्वच्छता एवं सुविधा के लिए सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की जा रही हैं। इससे बालिकाओं व महिलाओं को नेपकीन की उपलब्धता आसान हो जाएगी। निगम ने अभी 60 मशीनों की खरीद कर स्थापित करनी शुरू कर दी

बीकानेर के एक बालिका विद्यालय में लगी सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन।

आई है। आवश्यकता पड़ने पर और ... निगम आयुक्त के अनुसार 40

स्कूलों में स्थापित किया जा चुका है। हैण्ड ऑपरेटेड इन मशीनों की मेंटिनेंस नहीं के बराबर है। आवश्यकता अनुसार निगम ऐसी सुविधाओं का विस्तार करता रहेगा।

एक मशीन में 25 पैड की क्षमता

निगम आयुक्त मयंक मनीष के अनुसार निगम की ओर से शौचालयों एवं स्कूलों में स्थापित सेनेटरी नैपकिन

है। एक स्विच के साथ स्प्रिंग लगी है। स्विच को घुमाने पर स्प्रिंग की ... से पैड प्राप्त हो जाता है। बालिका व महिलाओं को सुविधा मिलेगी।

निजी स्तर पर भी प्रय...

निगम ने 24 शौचालयों और स्कूलों में मशीन स्थापित की है। स्कूलों में बालिकाएं अध्ययन कर ... है। निगम की ओर से सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनों के साथ-साथ लगा...

शहर की स्वच्छता का सही समाधान

कचरा डालते समय रखे विशेष ध्यान

गीला कचरा

रसोई का कचरा

- सब्जियों/फलों के छिलके
- बचा हुआ पका भोजन
- अंडे के छिलके
- चिकन/मछली की हड्डियाँ
- सड़े फल/सब्जियाँ
- गंदा टिशू पेपर
- चाय बैग/कॉफी ग्राउंड्स
- पत्ते के प्लेट्स

नोटः प्रतिदिन हूपर में डालें

उद्यान अपशिष्ट

- गिरी हुई पत्तियां/टहनियां
- पूजा के फूल/मालाएं
- घास

नोटः जलाये नहीं, लॉन के एक कोने में कम्पोस्ट तैयार करें

सूखा कचरा

कागज

- कागज की रद्दी/गत्ते के बक्से
- टेट्रापैक्स
- पेपर कप/प्लेट्स

प्लास्टिक

- प्लास्टिक कवर/बोतलें/बक्से
- चिप्स/टॉफी के रैपर
- प्लास्टिक के कप
- दूध/दही के पैकेट

अन्य सूखा कचरा

- रबड़/थर्मोकॉल
- पुराने कपड़े/डस्टर्स, स्पंज
- प्रसाधन सामग्री
- सिरेमिक, लकड़ी के टुकड़े
- बाल
- नारियल के खोल
- धातु सामग्री

हानिकारक कचरा

सैनिटरी कचरा

- डायपर/सैनिटरी नैपकिन
- पट्टियाँ
- नाखून
- समय सीमा समाप्त दवाईयां

अन्य घरेलू हानिकारक कचरा

- रेज़र/धारदार उपकरण
- कांच के टुकड़े
- प्रयोग में ली गई सिरिंज/सुई
- इंजेक्शन की बोतलें
- बेकार हो चुके पेंट के ड्रम
- कीटनाशक कैन/डब्बे
- सीएफएल/ट्यूबलाईट
- पारे के टूटे हुये थर्मामीटर

नोटः अखबार या कागज के पैकेट में लपेट कर लाल क्रॉस का निशान लगाकर अलग से सौंपे

ई-वेस्टः जैसे खराब मोबाईल, चार्जर, कम्प्यूटर,आदि को अलग से एकत्रित करके सौंपे।